केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 231 मंगलवार 12 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भाजपा पिछडो की सरकार– यदुवंश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
पौली (संतकबीर नगर)। पौली विकास क्षेत्र के शनिचरा बाजार स्थित राम जानकी मार्ग के किनारे स्थापित दुर्गा मंदिर का 2 करोड़ 79 लाख रुपये मे सुंदरीकरण कर पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने वैदिक मंत्रोचार द्वारा भूमि पूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री यदुवंश ने कहा कि 2 करोड़ 79 हजार की लागत से मंदिर परिसर के सुंदरीकरण का कार्य शीघ्र शुरु होगा। साथ–साथ इस मंदिर को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सर्व समाज की सरकार है। बिना भेदभाव के सभी को प्रत्येक योजना का लाभ मिलता है। राम मंदिर के साथ साथ अन्य मंदिरो का भी जीर्णोधार कर पर्यटक स्थल के रुप मे विकसित हो रहा है। राम जानकी मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य भाजपा सरकार में ही संभव था। अन्य सरकारे परिवारवाद के साथ साथ जाति देख कर योजना का लाभ देती थी। भाजपा सरकार पिछडो की सरकार है। इसी मे हित है। लोकसभा चुनाव सन्निकट है। तमाम दल के लोग प्रलोभन देने का काम करेंगी लेकिन उनके बहकावे मे न आकर फिर भाजपा सरकार बनाए।

भाजपा के जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव , प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष राम मिलन यादव, चिक्कन सिंह, एपीएम पर्यटन विभाग के राजेंद्र प्रसाद, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, दिगपाल पाल, बबन शर्मा, कपिल देव कनौजिया, पवन कसौधन, राम अजोर कसौधन, भरत, भुवाल चौधरी, अनिल जायसवाल समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

किशोर ने फंदा लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
नगर बाजार(बस्ती) । नगर थाना क्षेत्र के ग्राम बढनी में एक 16वर्षीय किशोर ने छत के कुंडी से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।सूचना पाकर मौके पर पहुंची नगर पुलिस ने शव का पंचनामा कर परिजनों को सौंप दिया।

नगर थाना क्षेत्र के ग्राम बढनी निवासी 16वर्षीय रामू शर्मा पुत्र चंद्रभान शर्मा उर्फ सिद्धू सोमवार को घर के बाहर से अचानक कहीं चला गया।परिजन उसे खाना देने के लिए आवाज दी। लेकिन वह नहीं मिला।तभी उनकी माँ बेटे को ढूँढते हुए घर में बने कमरे में गयी तो देखा कि रामू का शव घर में बने छत की कुंडी से साड़ी के सहारे लटक रहा है।यह देखकर उन्होंने शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के तमाम लोग जमा हो गए।इसी बीच सूचना पाकर मौके पर थाना प्रभारी नगर जयवर्धन सिंह मय फोर्स पहुंच गए।परिजनों व ग्राम प्रधान के अनुरोध पर शव का पंचनामा बनाकर परिजनों को सौंप दिया।

थाना प्रभारी जयवर्धन सिंह ने बताया कि परिजनों व ग्राम प्रधान के लिखित प्रार्थना पत्र देने के बाद शव का पंचनामा कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

उद्योगबंधु की बैठक आज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डल स्तरीय उद्योग बन्धु समिति एवं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 से संबंधित बैठक आगामी 12 मार्च 2024 को अपरान्ह 03.30 बजे से आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित किया जायेगा।उक्त जानकारी संयुक्त आयुक्त उद्योग हरीश प्रताप सिंह ने दी है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, चुनाव से पहले स्टेट बैंक को देना होगा चंदे का हिसाब

नई दिल्ली (आभा) । चुनावी बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट में और मोहलत मांगने गई एसबीआई को तगड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने एसबीआई की याचिका खारिज करते हुए उसे 12 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग 15 मार्च तक आंकड़े को अपलोड करे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने और वक्त मांगने पर एसबीआई को खूब सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि आखिर एसबीआई को आंकड़े जुटाने में कहां दिक्कत आ रही है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि पिछले 26 दिनों के दौरान आपने क्या किया? इसपर एसबीआई ने कहा कि हमें आंकड़े देने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन थोड़ा वक्त दे दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर एसबीआई ने इस आदेश का पालन नहीं किया तो उसपर जानबूझकर अदालत के आदेश की अवहेलना का केस क्यों न चले? कोर्ट ने कहा कि अभी एसबीआई पर कंटेप्ट नहीं किया है लेकिन आगाह किया है कि अगर उक्त आदेश का पालन नहीं हुए तो क्यों न कंटेप्ट चले?

चीफ जस्टिस ने कहा कि कृपया आप मुझे बताएं कि आप 26 दिनों से क्या कर रहे थे? इसके बाद जस्टिस खन्ना ने कहा कि आप खुद स्वीकार कर रहे हैं कि डिटेल देने में आपको कोई दिक्कत नहीं है। तो इन 26 दिनों में तो काफी काम हो सकता था। कोर्ट ने एसबीआई से कहा कि चुनावी बॉन्ड की जानकारी तुरंत चुनाव आयोग को दें। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने एसबीआई को आदेश दिया कि चुनाव आयोग को इलेक्ट्रोरल बॉन्ड से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध कराए। इसमें राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी बॉन्ड को भुनाने की जानकारी भी शामिल हो।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एसबीआई से पूछा कि अभी तक आपने क्या किया है? चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ की सुनवाई के दौरान एसबीआई ने कहा कि डेटा को डिकोड करने में वक्त लगेगा। एसबीआई के वकील हरीश साल्वे ने इसके लिए और वक्त की मांग की।जस्टिस खन्ना ने एसबीआई के वकील हरीश साल्वे से कहा कि राजनीतिक दलों ने बॉन्ड के कैश कराने के लेकर जानकारी दे दी है। आपके पास पहले से डिटेल मौजूद है।

सांसद हरीश द्विवेदी ने किया जय ओरीबाबा मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सांसद हरीश द्विवेदी ने जय ओरीबाबा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करते हुये कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिले इस दिशा में निजी अस्पतालों को भी मानवीय आधार पर सेवा देनी चाहिये। यह क्षेत्र लोगों के जीवन से जुड़ा है और डाक्टर को लोग धरती का ईश्वर मानते हैं।

कटरा मूडघाट रोड सेवा योजन कार्यालय के निकट स्थित जय ओरीबाबा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के उद्घाटन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, राना दिनेश प्रताप सिंह, राजेश सिंह , आनंद राजपाल सूर्य प्रकाश शुक्ला , सूर्यकुमार शुक्ला, परमेश्वर शुक्ला, डा. बी एन शुक्ला, डा.आजाद, डा. बीके शुक्ल ,डा. इंद्र कुमार शुक्ला, डा. बी एन चतुर्वेदी, डा. दिनेश यादव ,डा.उपेंद्र शर्मा, डा. सुनील उपाध्याय, डा. विनय शुक्ला, डा. प्रदीप शुक्ला के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 156 का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोमवार को मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ एवं रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अन्नपूर्णा पुरानी बस्ती के प्रांगण में किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अन्नपूर्णा रसोई के प्रबंधक समाजसेवी एवं पत्रकार राघवेंद्र मिश्र पड़ू द्वारा किया गया । उद्घाटन अवसर पर रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल के अध्यक्ष अच्यूत अग्रवाल एवं सचिव एल. के. पाण्डेय ने स्वास्थ्य शिविर के बारे में लोगों से चर्चा कर बताया कि आम जनमानस को मेदांता जैसे बेहतर चिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा बेहतर चिकित्सा सुविधा का लाभ बस्ती जनपद के लोगो को मिल सके इसी उद्देश्य से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है ।

मेदांता हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनिल चौधरी एवं उनकी टीम द्वारा 156 लोगों का उपचार किया गया। ज्यादातर मरीज शुगर बीपी एवं हार्ट के रहे । शिविर में आने वाले सभी मरीजों का बीपी शुगर आदि का जांच कर डॉक्टरों की टीम द्वारा उपचार किया गया। कार्यक्रम में 12 लोगों का ईसीजी जांच किया गया तथा मरीजो में निशुल्क दवा का वितरण किया गया ।

कार्यक्रम में नर्सिंग स्टाफ प्रियंका एवं दिव्या मार्कटिंग में शशांक अग्निहोत्री अभिषेक पाण्डेय रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल के चार्टर अध्यक्ष मुनीरुद्दीन अहमद, रोटेरियन दिलीप कुमार गुप्ता, अभिषेक अग्रहरी, त्रिपुरारी शंकर श्रीवास्तव, सर्वजीत सिंह कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन वामिक मेराज, आदर्श अग्रवाल, विमल कुमार तुलस्यान के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

कवियों, शायरों ने दिया संदेश 'एक बार और जाल डाल रे मछेरे, जाने किस मछली में बन्धन की चाह हो'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । वरिष्ठ कवि एवं लोक प्रिय चाशनी के साथ ही 7 पुस्तकों के रचयिता डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की आठवीं कृति 'बाल चेतना' का लोकार्पण पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में किया गया। इस अवसर पर अनुराग लक्ष्य और शब्द सुमन द्वारा विराट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश के ख्यातिलब्ध कवियों, शायरों ने हिस्सा लिया। देर रात तक चले कवि सम्मेलन में श्रोता जमे रहे। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक ने कहा कि समाज निर्माण में साहित्यकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कहा कि बाल कविता लिखना सबसे कठिन कार्य है। इसमें कवि को बालक बनना पड़ता है। महाकवि सूरदास की परम्परा किलकत कान्ह घुटुरुवन आवत' को चरितार्थ करते हुये डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' की आठवीं कृति 'बाल चेतना' निश्चित रूप से पाठकों में लोकप्रिय होगी। अध्यक्षता करते हुये डॉ. रामनरेश सिंह 'मंजुल' ने कहा कि डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' का रचना संसार विविधता लिये हुये है। हास्य व्यंग्य के साथ ही गंभीर रचनाओं के द्वारा साहित्य को समृद्ध कर बाल रचना कर उन्होने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध किया है।

'बाल चेतना' के लोकार्पण के बाद कवि सम्मेलन का आरम्भ प्रसिद्ध गीतकार डा. बुद्धिनाथ मिश्र द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। उनका प्रसिद्ध गीत ' एक बार और जाल डाल रे मछेरे, जाने किस मछली में बन्धन की चाह हो' से प्रेक्षागृह तालियों से गूंज उठा। डा. श्लेष गौतम की रचना ' पुरखों ने जो निभाई हमें चाहिये, त्याग की वो कमाई हमें चाहिये, राम घर–घर में हो, प्रार्थना है मगर, एक भरत जैसा भाई हमें चाहिये' ने कवि सम्मेलन को नई ऊंचाई दी। कवि सम्मेलन का संचालन करते हुये हास्य व्यंग्य के प्रसिद्ध कवि सर्वेश अस्थाना ने कुंछ यू कहा ' किसी गिरगिट की, नेता से तुलना करना महापाप है क्योंकि रंग बदलने के मामले में नेता गिरगिट का बाप है'। शशांक नीरज की रचना ' यहां तो चलते हैं पर्दे के पीछे खेल सभी, गुनाह हवा के हैं, मुजरिम चराग होते हैं' सुनाकर वातावरण को गंभीर बना दिया। डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी दीपक ने कुछ यूं कहा ' बजाता है सरगम की धुन पर कहरवा, है दस वर्ष का, बासुरी बेचता है'। ओज के सशक्त हस्ताक्षर प्रोफेसर ओम पाल सिंह निडर की पंक्तियां ' यही आरजू है मेरी कवि गणों से कि सब कुछ बिके पर कलम बिक न जाये' के द्वारा संदेश दिया। महेश प्रताप श्रीवास्तव की पंक्तियां ' जो घर पर पीते हैं बिना चीनी के चाय, महफिल में वहीं रसगुल्ला खोजते हैं' सुनाकर सुगर के रोगियों पर कटाक्ष किया। कवियत्री डा. अंजना ने ऋंगार और ओज के अनेक रचनाओं से कवि सम्मेलन को सरस किया। डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने 'काली नागिन आज मौका है तो डसकर देख ले, मौत डसने में नहीं है, तेरे बल खाने में हैं' सुनाकर वाहवाही लूटी। डॉ. विनोद उपाध्याय के शेर ' सुम्बुल सा जिस्म था या कोई माहताब था, मखमल की सेज पर कोई सोया गुलाब था' के द्वारा महफिल लूटी। दिल्ली से पधारे डा. राधेश्याम बंधु की पंक्तियां ' जब पसीने की कलम से वक्त खुद गीता लिखे, एक ग्वाला भी कभी बनता स्वयं भगवान है' सुनाकर संदेश दिया। श्याम पंकज की रचना ' ज्योति कलश भी अंधकार का जब पग बंदन करते हैं, कलमों का अक्षर–अक्षर तब इंकलाब हो जाता है' के द्वारा मानव मन के पीडा आर उमंग को स्वर दिया। अध्यक्षता कर रहे डा. राम नरेश सिंह मंजुल की पंक्तियां ' कुन्द धवल ओस गिरे, मोती ललचाने, ये बसंती फूल कहां आ गये अजाने' को सराहा गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के आरम्भ में अतिथियों और आयोजकों ने कवियों, शायरों को सम्मानित किया। इसी कड़ी में डा. देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, अंकुर वर्मा, राना दिनेश प्रताप सिंह, चन्द्रभूषण मिश्र, आलोक श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, रमेश लाल श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, अर्चना श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव आदि को अनुराग लक्ष्य और शब्द सुमन द्वारा अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रोता देर रात तक जमे रहे।

—डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' कृत 'बाल चेतना' का लोकार्पण

नागरिकता संशोधन अधिनियम सीएए लागू

नई दिल्ली (आभा)। देश में 'नागरिकता संशोधन अधिनियम' (सीएए) के नियम लागू हो गए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार शाम को नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इसके लिए पोर्टल भी तैयार कर लिया गया है, जिसके जरिए गैर मुस्लिम प्रवासी समुदाय के लोग नागरिकता पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है।

कुछ दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के नियमों को तैयार करने के लिए लोकसभा में अधीनस्थ कानून पर संसदीय समिति की तरफ से एक और विस्तार मिला था। पहले से सेवा विस्तार की अवधि नौ जनवरी को खत्म हो गई थी। सीएए के नियम तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय को सातवीं बार विस्तार प्रदान किया गया था। इससे पहले राज्यसभा से भी गृह मंत्रालय को उक्त विषय पर नियम बनाने व लागू कराने के लिए 6 महीने का विस्तार मिला था।

बिजली कर्मचारी संघ ने सौंपा 19 सूत्रीय ज्ञापनः समस्याओं के निस्तारण की मांग

–नियमित किये जांय संविदाकर्मी– अशर्फीलाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोमवार को उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशर्फीलाल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों ने अधिक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल ई. राम बुझारत के माध्यम से अध्यक्ष उ.प्र. पावर कारपोरेशन लिमिटेड को समस्याओं के निस्तारण और समझौतों के पालन हेतु 19 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

भेजे ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों कोद तेलंगाना, उड़ीसा सरकार की तरह नियमित किये जाने, जब तक नियमित नहीं किया जाता 28 हजार रूपया मानदेय दिये जाने, दुर्घटना की स्थिति में समुचित इलाज की सुविधा उपलब्ध कराये जाने, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल किये जाने, पदोन्नति का समयबद्ध वेतनमान दिये जाने, टी.जी. 2 से जेई के प्रोन्नति का कोटा 25 प्रतिशत से बढाकर 40 प्रतिशत किये जाने, प्रधान लिपिक का पूर्व की भांति पदोन्नित किये जाने, मण्डलों में नियमानुसार तैनाती, कार्यकारी सहायकों की वरिष्ठ कार्यकारी के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अवर अभियन्ता की भांति 4200 एवं 2600 का ग्रेड पे दिये जाने, उत्पादन निगम की परियोजनाओं पर चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती, कैशलेश इलाज की व्यवस्था किये जाने, ऊर्जा मंत्री, प्रबन्धन एवं विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उ.प्र. के साथ 19–03–2023 को हुये समझौतों का पालन कराये जाने, उत्पीडन की कार्यवाही वापस लिये जाने, तीन हजार निकाले गये संविदा कर्मियों को बहाल किये जाने, चतुर्थ श्रेणी का पद सृजित किये जाने, भत्तों का पुनरीक्षण, पेंशनरों को मिलने वाले चिकित्सा भत्ता उनके विद्युत बीजकों में समायोजित करने हेतु वर्तमान विलिंग प्रणाली में समायोजन की व्यवस्था किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशर्फीलाल ने कहा कि बिजली कर्मचारी संघ की प्रान्तीय कमेटी द्वारा समय–समय पर कर्मचारी समस्याओं के समाधान हेतु एजेण्डे दिये गये, परन्तु समस्याओं का समाधान आज तक न होने के कारण लोगों में रोष है। समस्याओं का प्रभावी समाधान न हुआ तो संघ आन्दोलन को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सूर्य प्रकाश, अनिल कुमार, मसूद आलम, दिनेश कुमार, राजेश त्रिपाठी, निर्मला देवी के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

आचार संहिता की आड़ में न तोड़ी जाय वैध होर्डिग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । नगर पालिका परिषद द्वारा अभियान चलाकर नियमानुसार निर्धारित शुल्क जमा करने के बावजूद वैध होर्डिगों को तोड़कर उठा ले जाने से एडवरटाइजर एसोसिएशन पदाधिकारियों में रोष है। सोमवार को एसोसिएशन अध्यक्ष नोमान अहमद के साथ बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल अध्यक्ष आनन्द राजपाल, महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन देने के बाद आनन्द राजपाल ने कहा कि नियमानुसार वैध होर्डिगों को हटाया जाना पूरी तरह से गलत है। नोमान अहमद ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद नगर पालिका कर्मियों द्वारा उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में वैध होर्डिग आये दिन तोड़े जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में उच्चाधिकारी चुप्पी साधे हुये हैं। कहा कि नियमानुसार लगाये गये होर्डिगों को तोड़ा जाना विधि विरुद्ध है। यह चिन्ताजनक है कि नियमानुसार लगाये गये होर्डिगों को नगर पालिका प्रशासन द्वारा आये दिन हटवाया जा रहा है। इस प्रकार तो एडवरटाइजर के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग बेरोजगार हो जायेंगे। प्रशासन शीघ्र अनुकूल निर्णय ले। एडवरटाइजर एसोसिएशन अध्यक्ष नोमान अहमद ने कहा कि नियमानुसार कर देने के बाद जो होर्डिग लगायी जाती है उसे हटाया जाना विधि विरुद्ध है। आशंका है कि प्रशासन आचार संहिता के नाम पर फिर होर्डिगों को तोड़वा देगा, इससे होर्डिग क्षेत्र में काम करने वालों को काफी नुकसान होगा, ऐसा कदापि न किया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रभात सोनी, शेष नरायन गुप्ता, फरमान अहमद, शारिब भरत कुमार, हबीब, राम दयाल, मनीष श्रीवास्तव, कल्लू यादव, अरूण पाण्डेय, उदयराम यादव, फुरकान अहमद, आलोक प्रकाश, इरशाद खान, मोनिस खान आदि शामिल रहे।

दलित के अपहरण, हत्या मामले में बहुजन मुक्ति पार्टी ने सौंपा ज्ञापनःदोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोमवार को बहुजन मुक्ति पार्टी जिलाध्यक्ष बुद्धेश राना के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि परसुरामपुर थाना क्षेत्र के रोहदा गांव में दलित राजाराम के अपहरण और हत्या मामले में पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरूद्ध भी मुकदमा दर्ज कर न्याय दिलाया जाय। पुलिस मामले में लीपापोती कर हत्या के मामले में दुर्घटना में बदलकर रफा दफा कर देना चाहती है। बताया कि दलित अनीता देवी पत्नी गुलाब चन्द ने पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर अपने ससुर राजाराम के अपहरण और हत्या मामले में पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरूद्ध भी मुकदमा दर्ज कराने की मांग किया था किन्तु कोई कार्रवाई नहीं की गई। यदि पुलिसकर्मी सुरेन्द्र कुमार वर्मा के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी न की गई तो बहुजन मुक्ति पार्टी आन्दोलन को बाध्य होगी।

ज्ञापन देने के बाद बुद्धेश राना ने बताया कि परसुरामपुर पुलिस दलित राजाराम के अपहरण और हत्या मामले को उलझा रही है और पीड़ित परिवार पर सुलह का दबाव बनाया जा रहा है। ज्ञापन देने वालों में राम सुमेर यादव, ठाकुर प्रेमनन्दवंशी, सूरज कुमार, शिवकुमारी, गुलाब चन्द्र, मंसूरा देवी, उर्मिला देवी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 मार्च 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

अक्सर सुनने में आता है कि विचारों की अभिव्यक्ति को लेकर पुलिस का रवैया आक्रामक होता है और वह अनावश्यक धाराओं में व्यक्ति को गिरफ्तार व प्रताड़ित करने में जल्दबाजी दिखाती है। ऐसे ही एक प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राज्य के किसी फैसले पर आलोचना करने का आधिकार है। दरअसल, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की निंदा करने वाली एक टिप्पणी पर एक प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करते हुए शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी की। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र पुलिस ने 'पांच अगस्त को ब्लैक डे जम्मू और कश्मीर' और '14 अगस्त पर पाकिस्तान को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं' जैसे व्हाट्सएप संदेश पोस्ट करने के लिये प्रोफेसर जावेद अहमद पर आईपीसी की धारा 153—ए के तहत मामला दर्ज किया था। दरअसल, यह मामला धर्म, जाति आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने पर दर्ज किया जाता है। इसी वजह से बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश को रद्द करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि राज्य के कार्यों की हर आलोचना या विरोध को धारा 153—ए के तहत अपराध माना जाता है तो यह संविधान प्रदत्त अनिवार्य हक के विरुद्ध, लोकतंत्र की आत्मा के हनन जैसा होगा। इस मामले पर चर्चा करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि वैध तरीके से असहमति का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)ए के तहत गारंटीशुदा अधिकार है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक सिद्धांत है जो प्रतिशोध, सेंसरशिप या कानूनी मंजूरी के डर के बिना किसी व्यक्ति या समुदाय को अपनी राय और विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा और अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है । कई देशों में संवैधानिक कानून हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। बोलने की आजादी और अभिव्यक्ति की आजादी जैसे शब्दों का इस्तेमाल राजनीतिक चर्चा में एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है। हालाँकि, कानूनी अर्थ में, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में उपयोग किए गए माध्यम की परवाह किए बिना, जानकारी या विचार प्राप्त करने, प्राप्त करने और प्रदान करने की कोई भी गतिविधि शामिल है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में अनुच्छेद 370 को केंद्र सरकार द्वारा निरस्त करने के वर्ष 2019 के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बावजूद केंद्र सरकार के फैसले को लेकर अस्वीकृति की आवाजें अभी कम नहीं हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में पिछले दिनों प्रधानमंत्री की जम्मू—कश्मीर यात्रा के दौरान भी विपक्षी नेताओं की ऐसी प्रतिक्रिया देखी गई। लेकिन प्रोफेसर के मामले में पुलिस की विवादास्पद भूमिका को न्यायिक और सार्वजनिक जांच के दायरे में ला दिया है। दरअसल, देखा जाता है कि ऐसे मामलों में पुलिस आनन—फानन में असहमति जताने वाले को पकड़ने के लिये मामले को बढ़ा—चढ़ाकर पेश कर देती है। यही वजह है कि अदालत को कहना पड़ा कि बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अवधारणा तथा इस आजादी को लेकर उचित संयम की सीमा के बारे में हमारे पुलिस तंत्र को जागरूक व शिक्षित करने की जरूरत है।

निश्चित रूप से देश के नीति—नियंताओं को शीर्ष अदालत के सुझाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वहीं देश के पुलिसकर्मियों को संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। निस्संदेह, सामान्य मामलों के आधार पर मुकदमें दर्ज करना पुलिस के निरंकुश व्यवहार को ही दर्शाता है। जो निश्चित रूप से एक अलोकतांत्रिक कदम कहा जाएगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में अब पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर व्यक्ति विशेष को असामाजिक व राष्ट्रविरोधी करार देने से रोका जाएगा। निस्संदेह,हिंसा व घृणा को बढ़ावा न देने वाली टिप्पणियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

एकला चलो की डगर पर बसपा का हाथी

—आशीष वशिष्ठ—

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने फिर एक बार आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर घोषणा की है कि बहुजन समाज पार्टी अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। मायावती इसके पहले भी कई बार लोकसभा चुनाव के लिए किसी भी तरह के गठबंधन में शामिल होने से इनकार करती रही हैं। उन्होंने चुनाव के लिए अभी तक प्रत्याशियों की घोषणा भी नहीं की है जिसके कारण उनके इंडिया गठबंधन में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं। 2024 के आम चुनाव में राजनीतिक लिहाज से उत्तर प्रदेश जैसे अहम राज्य में हर राजनीतिक दल अधिक से अधिक सीटें हासिल करना चाहता है। इसलिए एनडीए और इंडिया गठबंधन में छोटे—बड़े दल शामिल होकर अपना राजनीतिक कद और हैसियत बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे में मायावती का किसी गठबंधन का हिस्सा न बनना कई प्रश्न खड़े करता है।

प्रश्न यह है कि क्या अकेले चुनाव लड़कर मायावती एनडीए और इंडिया गठबंधन को चुनौती दे पाएगी? क्या मायावती को भरोसा है कि उनका कोर वोट बैंक पूरी तरह उनका साथ देगा? क्या मायावती को लगता है कि त्रिकोणीय मुकाबले में बसपा हावी रहेगी? क्या मायावती को इस बात का भरोसा है कि इंडिया गठबंधन की बजाय मुस्लिम मतदाता उनके साथ मजबूती से खड़े होंगे? क्या मायावती चुनाव नतीजों के हिसाब से रणनीति का खुलासा करेगी? क्या मायावती एकला चलो की राह पर हैं या फिर वो जिस तरह से खामोश हैं उसके पीछे कोई बड़ा प्लान है?

बसपा प्रमुख ने पिछले छह—सात महीने में अकेले चुनाव लड़ने की बात कई बार कही है, साथ ही यह भी कहा कि गठबंधन करने से उनको नुकसान होता है। इसमें कोई गलत बात नहीं है कि कोई पार्टी गठबंधन नहीं करे और चुनाव अकेले लड़े। लेकिन पार्टी लड़ते हुए तो दिखाई दे! मायावती की बहुजन समाज पार्टी बीजेपी और समाजवादी पार्टी दोनों के साथ गठजोड़ कर चुकी है। लेकिन बीते ढाई दशकों से बसपा का भाजपा के बीजेपी के प्रति ज्यादा रुझान देखा गया है। मायावती तीन बार भाजपा के सहयोग से यूपी की मुख्यमंत्री भी बन चुकी हैं।

बसपा ने पिछला लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिल कर लड़ा था लेकिन सपा की सहायता से शून्य से 10 सीट पर पहुंचने के बाद ही उन्होंने तालमेल समाप्त कर दिया था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बसपा का वोट बैंक भी खिसक रहा है। बसपा सुप्रीमो भले ही ये कहें कि गठबंधन से उनकी पार्टी को नुकसान होता है लेकिन सच्चाई तो ये है कि पिछले लोकसभा चुनाव में गठबंधन का सबसे ज्यादा लाभ बसपा को ही हुआ था। वर्ष 1996 में बसपा 6 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी, तब बसपा को 20.6 प्रतिषत मत मिले थे। वर्ष 1998 में बसपा को चार सीटें मिली और वोट प्रतिशत बढ़कर 20.9 प्रतिषत हो गया। वर्ष 1999 में बसपा को 14 सीटें मिली और मत 22.08 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2004 में सीटें बढ़कर 19 हो गई और 24.67 प्रतिषत मत मिले। बसपा ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वर्ष 2009 में किया जब पार्टी को 20 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई और 27.42 प्रतिशत मत मिले।

बसपा की स्थिति साल 2014 से बदलती चली गई। बीस सांसदों वाली बसपा को इस चुनाव में एक भी सीट हासिल नहीं हो पाई और उसका मत प्रतिशत भी गिरकर 19.77 प्रतिशत पर आ गया। बसपा के वोट में लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट आई। 1996 के बाद बसपा का ये सबसे बुरा प्रदर्शन था। वर्ष 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन किया। जिसका बसपा को भरपूर लाभ हुआ और पार्टी शून्य सीटों वाली बसपा ने दस सीटों पर विजय प्राप्त की। जबकि उसका मत और कम हुआ। इस चुनाव में बसपा को सपा के साथ गठबंधन कर 19.43 प्रतिशत ही मत मिले। विधानसभा में बसपा का केवल एक विधायक है।

एक वो समय था जब बसपा चुनाव से काफी समय पहले ही उम्मीदवार घोषित कर देती थी। सबसे पहले संभवतः बसपा ने ही चुनाव से महीनों पहले उम्मीदवार घोषित करने शुरू किए थे। लेकिन अब चुनाव बिल्कुल सिर पर आ चुके हैं। और बसपा उम्मीदवारों की घोषणा की बजाय अकेले चुनाव लड़ेंगे का पुराना रिकार्ड बजाए जा रही है। जबकि भाजपा, सपा, रालोद और सुभासपा कई सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं। बड़ी मशक्कत के बाद बीते 10 मार्च को बसपा ने यूपी की मुरादाबाद सीट से मो. इरफान सैफी को अपना पहला प्रत्याशी घोषित किया है।

पिछले एक दशक में मायावती के कई भरोसेमंद सिपहसालार दूसरी पार्टियों में शामिल होते चले गए। बीते चुनाव में जीते 10 सांसद भी नई सियासी संभावनाएं तलाश रहे हैं। इसमें अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडे बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। उन्हें बीजेपी ने टिकट भी दे दिया है। वहीं गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी को सपा उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। वहीं, अमरोहा से दानिश अली अब कांग्रेस के खेमे में हैं। जौनपुर से सांसद श्याम सिंह यादव भी कांग्रेस की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। बिजनौर से सांसद मलूक नागर, लालगंज लोकसभा सीट से सांसद संगीता आजाद के भी पाला बदलने के कयास लगाए जा रहे हैं।

यूपी समेत देश के अन्य राज्यों में बीएसपी का सियासी ग्राफ चुनाव दर चुनाव गिरता ही जा रहा है। पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों में आकाश आनंद छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में पार्टी का चुनावी अभियान संभाल रहे थे, जहां पार्टी पिछले चुनाव की तुलना में काफी खराब प्रदर्शन की है। राजस्थान छोड़कर किसी भी राज्य में बसपा का खाता तक नहीं खुला और वोट फीसदी में भी गिरावट आई। बसपा अब उत्तर प्रदेश और बाहर के राज्यों में हर जगह कमजोर दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली समेत उत्तर भारत के राज्यों में पार्टी संगठन लचर हाल में है। पार्टी अपने कोर दलित वोटरों को भी एकजुट करने में सफल नहीं हो पाई है। सत्ता से बाहर होने के बाद मायावती से दलितों का मोहभंग लगातार होता जा रहा है। वास्तव में, कांशीराम ने बसपा का जो सियासी समीकरण बनाया था, वो गड़बड़ा चुका था और दलितों के बीच चंद्रशेखर आजाद नई लीडरशिप के रूप में खुद को खड़े कर रहे हैं। इस तरह से बीएसपी सियासी चक्रव्यूह में घिरी हुई है, जहां एक तरफ बीजेपी गैर—जाटव वोटों को अपने पाले में ले चुकी है तो जाटव वोट को चंद्रशेखर अपने साथ जोड़ने में लगे हैं। दलित राजनीति का चेहरा माने जाने वाली मायावती की चमक अब पहले जैसी नहीं रही है।

वर्ष 2009 में 27.42 प्रतिशत मत वाली बसपा 2019 के आम चुनाव में 19.43 प्रतिशत पर आ गई। जबकि इस चुनाव में बसपा सपा के साथ गठबंधन में थी। 2007 में बीएसपी यूपी में भले ही पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफल रही हो, लेकिन उसके बाद से ही गिरावट देखने को मिल रही है। 2012 के यूपी चुनाव में बीएसपी 2007 के 206 सीट से घटकर 80 सीटों पर आ गई। 2017 में बीएसपी महज 19 सीटों पर सिमट गई। 2022 के चुनाव में बीएसपी एक सीट जीतने के साथ 13 फीसदी वोट पर सिमट गई।

प्रदेश में अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही बसपा को अपनी सुप्रीमों और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के गृह जनपद में भी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए चेहरों का अकाल पड़ गया है। चुनाव सिर पर हैं, बावजूद इसके बसपा के खेमे में कोई खास हलचल दिखाई नहीं देती। मायावती और बसपा के किसी दूसरे नेता अभी तक कोई चुनावी रैली भी नहीं की है। 2024 के आम चुनाव में बसपा का वोट प्रतिशत और सांसदों की संख्या नहीं बढ़ती है तो पार्टी के लिए सियासी राह मुश्किल हो जाएगी। 2014 में अकेले लड़ने का खामियाजा बसपा भुगत चुकी है। सही मायनो में बसपा के लिए चुनाव का रास्ता मुश्किलों से भरा है। उत्तर प्रदेश की सत्ता पर चार बार काबिज होने वाली मायावती का अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय उनके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

क्या भाजपा बदल पायेगी संविधान

—अभिनव आकाश—

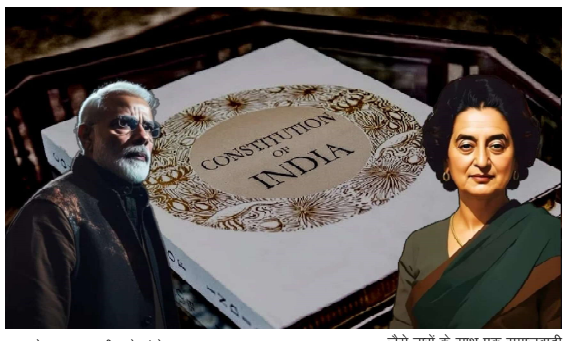

हम सब भारत के संविधान की कसमें तो खूब खाते हैं या लोगों को खाते हुए सुनते हैं। पर क्या आपने संविधान देखा है? अगर कोई फोटो वगैरह में देखा भी हो तो एक चीज तो आपको पता ही होगी की अपना संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है। सोने पर सुहागा ये कि पूरा संविधान हिंदी और अंग्रेजी में लिखा गया। हाथों से कैरीग्राफ किया गया, न कोई प्रिंटिंग हुई और न कोई टाइपिंग। इस संविधान के पहले पन्ने पर संविधान की आत्मा है। यानी संविधान की प्रस्तावना। वहीं प्रस्तावना जो श्हम भारत के लोगश से शुरू होती है। लेकिन इन दिनों बीजेपी के एक सांसद के बयान के बाद संविधान में बदलाव को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। कर्नाटक से बीजेपी सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने जनसभा में कहा कि संविधान में संशोधन के लिए और कांग्रेस की ओर से इसमें जोड़ी गई अनावश्यक चीजें हटाने के लिए बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो— तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। आगामी लोकसभा चुनाव में एनडीए को 400 पार सीटें मिलने पर राज्यसभा में बहुमत हासिल करने में मदद मिलेगी। हेगड़े के बयान पर राजनीति तेज हो गई है। हेगड़े के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि संविधान को श्फिर से लिखना और नष्ट करना बीजेपी और आरएसएस का अजेंडा है। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी सांसद का बयान कि उन्हें 400 सीट संविधान बदलने के लिए चाहिए, नरेंद्र मोदी और उनके संघ परिवार के छिपे मंसूबों का सार्वजनिक एलान है। कर्नाटक के सांसद की टिप्पणी को लेकर विपक्ष की ओर से सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधने के बीच पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा संवैधानिक लोकाचार और राष्ट्रीय हित के अनुरूप काम किया है। हालांकि, आपको बता दें कि ऐसा नहीं है कि संविधान में इससे पहले संशोधन या बदलाव नहीं किए गए हैं। जून 1951 में संविधान में पहला संशोधन हुआ। उसके बाद ये सिलसिला लगातार चलता रहा है। कुल संशोधनों का औसत निकाला जाए तो हर साल करीब दो संशोधन होते हैं। एक वक्त में तो इंदिरा गांधी ने एक ही संशोधन के जरिए 40 अनुच्छेद तक बदल दिए थे। जबकि पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में 8 बड़े संविधान संशोधन किए हैं।

वर्ष 1971 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर श्रीमती गांधी पर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग, मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धनबल का प्रयोग आदि कई आरोप लगाए थे। हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने उत्तर प्रदेश राज्य बनाम राजनारायण मामले में ऐतिहासिक फैसला देते हुए इंदिरा गांधी को चुनाव में धांधली का दोषी करार दिया और 6 वर्ष तक कोई भी पद संभालने पर प्रतिबंध लगा दिया। श्रीमती गांधी ने हाईकोर्ट के निर्णय के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई। 24 जून, 1975 को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा। मगर श्रीमती गांधी को पद पर बने रहने का फैसला दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय के बाद से श्रीमती गांधी से प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने की मांग उठने लगी थी। लेकिन श्रीमती गांधी किसी भी कीमत पर त्यागपत्र देने को राजी नहीं हुईं। परिणामस्वरूप, 25 जून, 1975 को लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी के त्यागपत्र न देने तक देशभर में धरना—प्रदर्शन करने की घोषणा कर दी। अपने विरुद्ध आक्रोश को देखते हुए कुर्सी के मोह में अंधी हो चुकीं इंदिरा गांधी ने ऐसा कदम उठाया, जिसकी शायद ही किसी ने कल्पना की हो। 25—26 जून, 1975 की दरम्यानी रात को इंदिरा गांधी ने देश को आपातकाल के मुंह में धकेल दिया। प्रधानमंत्री श्रीमती गांधी के इशारों पर तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली ने संविधान की धारा—352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। आपातकाल में सबसे पहले भारतीय संविधान का 38वां संशोधन 22 जुलाई 1975 को पास हुआ। इस संशोधन के अनुसार न्यायपालिका से आपातकाल की न्यायिक समीक्षा का अधिकार छीन लिया गया। करीब दो महीने बाद इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाए रखने के लिए संविधान का 39वां संशोधन लाया गया। इलाहबाद हाई कोर्ट ने इंदिरा का चुनाव रद्द कर दिया। लेकिन इस संशोधन ने कोर्ट से प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त व्यक्ति के चुनाव की जांच के अधिकार को ही छीन लिया। 40वें और 41वें संशोधन के जरिए संविधान के कई प्रावधानों को बदलने के बाद 42वां संशोधन पास किया गया।

इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' जैसे नारों के साथ एक समाजवादी और गरीब—समर्थक छवि के आधार पर जनता के बीच अपनी स्वीकृति को मजबूत करने का प्रयास किया था। लेकिन गौर करने वाली बात है कि संविधान में 42वां संशोधन, 1976 में पारित हुआ जब आपातकाल लागू था। इस दौरान 'संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' शब्दों को 'संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' से बदल दिया गया। इस दौरान 'राष्ट्र की एकता' शब्द को 'राष्ट्र की एकता और अखंडता' में भी बदल दिया। 42वें संशोधन में कई अन्य प्रावधान थे, जिसके द्वारा इंदिरा सरकार ने सत्ता को और केंद्रीकृत करने की कोशिश की थी। हालांकि इनमें से कुछ को आपातकाल के बाद सत्ता में आई जनता सरकार ने 44वें संविधान संशोधन के जरिए रद्द कर दिया। संविधान की प्रस्तावना में हुए बदलाव से छेड़छाड़ नहीं की गई।

अनुच्छेद 368(2) के तहत संसद "प्रत्येक सदन में उस सदन की कुल सदस्यता के बहुमत से और उस सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो—तिहाई बहुमत से एक विधेयक पारित करके संविधान में संशोधन कर सकती है। उसके बाद, विधेयक राष्ट्रपति को प्रस्तुत किया जाएगा जो अपनी सहमति देंगे और उसके बाद संविधान में संशोधन किया जाएगा। संविधान संशोधन विधेयकों के लिए संयुक्त अधिवेशन की प्रक्रिया लागू नहीं होती है। अगस्त 2023 तक देश के संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं।

लोकतंत्र में अमर्यादित भाषा

—मधुरेन्द्र सिन्हा—

भारतीय राजनीति जिस मोड़ से गुजर रही है उसमें कीचड़ ज्यादा है और तथ्य कम हैं। हर तरफ से हर रोज कुछ न कुछ अनर्गल प्रलाप और सस्ती बातों के अलावा किसी राजनेता पर छींटाकशी आम बात हो गई है। कुंठित लोग जिनमें राजनीतिक नेता बड़े पैमाने पर हैं, किसी के भी बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते। बहुत से तो इसमें अपनी शान समझते हैं और अपने को बड़ा समझने लगते हैं। कुछ तो जानबूझकर ऐसा कहते और करते हैं ताकि सुर्खियों में मिले। कई तो संसद और विधानसभाओं में भी अपनी कड़वी जुबान का इस्तेमाल करते हैं।

भारतीय राजनीति में हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। दरअसल, कांग्रेस में बड़े पद पर रहने के बाद जब वह अलग हुए तो राजनीति में उनकी वह कीमत नहीं रही थी। इस कारण वे कुंठित होने लगे और यह कुंठा उनके व्यवहार और उनके बोल में साफ झलकने लगी।

यही भाव आज के उन ज्यादातर राजनीतिज्ञों में दिखता है जो कुंठा में जी रहे हैं। ऐसे ही नेता अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। सत्ता से बिछुड़ रहना या फिर उसे पाने के लिए किसी भी सीमा तक चले जाना, स्वाभाविक—सी बात है। कई राजनेता ईर्ष्यावश या दुर्भावना से भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। वह खुद तो सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी बोलते हैं और जब विरोध करना होता है तो दूसरों के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ बड़े नेता अपने सलाहकारों की बातों पर चलते हुए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व रहा। जिन्होंने गुजरात में भाषण देते वक्त मर्यादा तोड़ दी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में मंच से कहा—मौत के सौदागर। इस अपशब्द से ऐसे शीर्ष नेताओं की छवि को ही नुकसान हुआ न कि नरेन्द्र मोदी को। सभी तरफ उनकी आलोचना हुई लेकिन ऐसे नेता बाज नहीं आए और बाद में भी उन्होंने मोदी पर जहर की खेती करने वाला बयान दिया।

लेकिन इस मामले में राहुल गांधी कुछ आगे निकल गये। अपने को प्रेम की दुकान चलाने वाला कहने वाले राहुल ने तो वक्त—बेवक्त तल्ख शब्द कहे। उन्होंने तो बीजेपी और अन्य के लिए भी बहुत ही हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया। पिछले दिनों तो उन्होंने कहा जय श्रीराम कहो और भूखे मरो। यह उनके अंदर की खीझ को दिखाता है। अभी चुनाव में थोड़ा वक्त है तो आने वाले समय में क्या—क्या बयानबाजी होती है, कहना मुश्किल है क्योंकि इन दिनों उनके सलाहकार हैं बड़बोले जयराम रमेश जो खुद भी अक्सर हल्की भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने पीएम मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया जिससे उनकी खीझ का पता चलता है।

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

शिक्षकों के सहयोग से ही समाज में आएगा बदलाव -रवीन्द्र गुप्ता

संवाददाता–बलरामपुर। राम कृष्ण परमहंस मिशन इंटर कॉलेज भगवतीगंज में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री हनुमंत सिंह व विशिष्ट अतिथि रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विद्यालय के नन्हें मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय प्रबंधक अरुण कुमार पांडेय व डायरेक्टर पीएन यादव ने अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया। अतिथियों ने बच्चों की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्वामी विवेकानंद तथा परमहंस जैसे ज्ञानी बनने का उपदेश दिया। रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी ने कहा कि शिक्षक समाज में बदेलाव लाएगा तथा समाज आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने राम आए अवध कि ओर मनमोहक प्रस्तुति की, जिसे देखकर सभी लोग मन्त्र मुग्ध हो गए। देवा गणेशा व भगवान् शंकर कि झांकी के साथ भगत सिंह कि झांकी एवं अन्य कार्यक्रम ने लोगों का मन मोह लिया। अंत में बन्दे मातरम व शहीदों की शहादत पर बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे मधु मिश्रा, लवी शुक्ला, शुभम यादव, श्रेयांशी यादव, पूनम, सपना, अभीत, आदर्श, आयुष्मान, अनामिका, नंदनी, करिश्मा, अनुराधा, सर्वजीत, संदीप, अंशु, मृदवेश, अंशिका समृद्धि, सौम्या रुद्रांशी, नितिन आदि छात्रों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

हक के लिए लामबंद हुए शिक्षक, सुनवाई न होने पर अनइंस्टॉल करेंगे एप

संवाददाता–बहराइच। पुरानी पेंशन बहाली समेत कई मांगों को लेकर सोमवार को बेसिक शिक्षक लामबंद हुए। बीएसए कार्यालय परिसर में धरना देकर हक की आवाज बुलंद की। कहा कि जल्द ही उनकी सुनवाई नहीं हुई तो वे लोग एप को अनस्टाल कर देंगे। कहा कि लंबे समय से उनकी मांगों को सरकार हर स्तर पर नजरअंदाज कर रही है। जल्द ही वे लोग आंदोलन की राहत अख्तियार करेंगे। सीएम को संबोधित ज्ञापन बीएसए एआर तिवारी को सौंपा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सोमवार को जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की ओर से बेसिक शिक्षा में किया जा रहे डिजिटलाइजेशन के विरोध में 18 सूत्रीय मांग के लिए धरना प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष विद्या विलास पाठक कहा कि सरकार शिक्षकों की मांगों को अनसुना कर रही है। उनकी मांगों को समय रहते न माना गया तो ऑनलाइन काम अपने मोबाइल से कर रहे हैं, वह सभी ऐप भी अनइनस्टॉल कर देंगे। कहा कि सरकार संगठन से वार्ता कर शिक्षक समस्याओं को समाप्त करे। प्रांतीय प्रमुख संरक्षक राधा कृष्ण पाठक ने कहा कि समय रहते सरकार शिक्षक की मांगों को पूरा कर समस्या विहीन करे। प्रांतीय संयुक्त मंत्री भूपेंद्र श्रीवास्तव ने सरकार को सावधान किया कि शिक्षक अगर सृजन है तो वह विनाश भी करना जानता है। हम शैक्षिक कार्य करना चाहते हैं। हमें वह सभी संसाधन दिए जाएं, जिससे हम अच्छे से शिक्षण कार्य कर सके। प्रांतीय उपाध्यक्ष एम सिराजुद्दीन न्यूटन ने शिक्षक एकता पर बल दिया। अनीस अहमद आशुतोष वर्मा, अतुल त्रिपाठी, बाबूलाल मौर्य, प्रदीप मिश्रा, बलवंत सिंह, राधेश्याम कनौजिया, सुमन संध्या सिंह, स्मिता शर्मा, पूनम श्रीवास्तव, सुभाष वर्मा, सुमन रस्तोगी, जय देवी, नमिता श्रीवास्तव, उबेदुर रहमान, अश्वनी सिंह मोहम्मद आसिफ, आशुतोष कुमार, अभिमन्यु वर्मा, नईम अहमद, विनोद कुमार भारती, गोपाल जी शुक्ला, अखिलेश मिश्रा, आशीष श्रीवास्तव, इजहार उल हक, अलीम अहमद बलवंत सिंह, रामकुमार पाण्डेय, दारा सिंह, यतीन्द्र द्विवेदी मौजूद रहे।

धर्म प्रचार और ठाकुर जी की सेवा के लिए नयना बनी साध्वी सुनैना

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या दिन प्रतिदिन श्रद्धालुओं की आवागमन से गुलजार रहती है प्राण प्रतिष्ठा के बाद लाखों की संख्या में प्रतिदिन श्रद्धालु दर्शन करते हैं और इसी क्रम में सनातन धर्म के प्रति लोगों की आस्था जागृत हो रही है और वह भगवान के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहते हैं इसी क्रम में राजस्थान में जन्मी नयना उत्तर गुजरात के पाटन में वर्षो से गो सेवा का कार्य कर रही है और अयोध्या के सिद्ध पीठ वैद्य जी के मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज से जुड़ी थी प्राण प्रतिष्ठा के बाद उनके अंदर वैराग्य उत्पन्न हुआ और वह अयोध्या पहुंचकर श्री महाराज जी से बैरागी की दीक्षा प्राप्त की और राजेंद्र दास महाराज ने उनका वैष्णो नाम साध्वी सुनैना रखा दीया। श्री श्री 1008 महंत राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि भगवान के प्रति कोई भी आसक्त हो सकता है और वर्तमान समय में सनातन धर्म के बारे में लोग जानने लगे हैं इसी क्रम में गुजरात की नयना जो आश्रम से जुड़ी थी आज से वैराग्य अपना लिया है अब वह निरंतर संत सेवा गौ सेवा और ठाकुर जी की सेवा करेंगी। साध्वी सुनैना ने बताया कि बचपन से ही मेरे अंदर सेवा भाव था और मैं गौ माता की सेवा में विशेष रुचि रखती थी अयोध्या गुरुदेव भगवान राजेंद्र दास महाराज के सानिध्य में आना हुआ करता था प्राण प्रतिष्ठा के बाद ठाकुर जी की प्रेरणा हुई की मैं अब उनकी सेवा में पूर्ण रूप से समर्पित हो जाऊं इसीलिए अयोध्या पहुंचकर मैं बैरागी की दीक्षा ली और अब ठाकुर जी की सेवा के साथ गौ सेवा संत सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दूंगी लोगों को सनातन धर्म के बारे में बताऊंगी सनातन धर्म का प्रचार करूंगी और जो भी सनातन धर्म को नहीं समझते हैं उनको समझने का प्रयास करूंगी की सनातन धर्म ही विश्व के कल्याण के लिए बना है और सबको लेकर के चलने का प्रयास करता है इसलिए सभी को सनातन धर्म की तरफ बिना भेदभाव के लौटना चाहिए। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जो लोगों को जोड़ने का कार्य करता है। साध्वी सुनैना ने अपने दीक्षा के उपरांत अयोध्या के संतों का आशीर्वाद लिया इसमें मुख्य रूप से हनुमानगढ़ी गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज के शिष्य डॉ महेश दास उपस्थित होकर के नए जीवन के लिए साध्वी को आशीर्वाद दिए।

आकांक्षी ब्लाक रुपईडीह में तीन साल में तीसरी बार हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक

संवाददाता–गोण्डा। आकांक्षी ब्लॉक में तीन साल में सोमवार को तीसरी बार हुई क्षेत्र पंचायत की बैठक महज 42 मिनट में संपन्न हो गई। इसमें 125 ग्राम पंचायतों से आए करोड़ों के विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

हालांकि, बैठक में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी बहुत कम रही। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह की अनुज वधू व ब्लॉक बबीता सिंह ने की। इसका संचालन बीडीओ मृत्युंजय यादव ने किया। बीडीओ ने पिछली बैठक की पुष्टि करते हुए बनी कार्य योजनाओं के सापेक्ष अधिकतम काम न होने पर निराशा जाहिर की। उन्होंने इस कार्ययोजना में पिछले प्रस्तावों को शामिल करने का भरोसा दिलाया। कहा कि सरकारी योजनाओं का पात्रों को लाभ मिला। डीपीआरओ लालजी दुबे, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. निशांत यादव, एडीओ आईएसबी मोहम्मद आजम खान, बाल विकास परियोजना के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर जीतेन्द्र श्रीवास्तव ने अपने–अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। क्षेत्र पंचायत के खाते में डंप है पैसा, शासन ने लगी रोकरु आकांक्षी ब्लॉक रुपईडीह के खाते में 14 करोड़ 57 लाख 79 हजार रुपए डंप है। इसमें राज्य वित्त से 8 करोड़ 51 लाख व पन्द्रहवे वित्त में 5 करोड़ 96 लाख 79 हजार रुपए शामिल हैं। इसके बाद भी क्षेत्र पंचायत निधि से कोई कार्य नहीं हुआ। वहीं, क्षेत्र पंचायत निधि की ऑनलाइन ऑडिट की रिपोर्ट न जाने से बीते मार्च 2023 से शासन ने ब्लॉक को कोई पैसा नहीं भेजा है। यह लोग रहे उपस्थितरु बैठक में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि महेश सिंह, सपा नेता सूरज सिंह, सपा के लोकसभा क्षेत्र प्रभारी मनोज कुमार यादव, प्रधान संघ अध्यक्ष विवेक शुक्ला, अमित अवस्थी, हनुमंत लाल मिश्रा, भूपेंद्र सिंह, पप्पू शुक्ला, रवि मिश्रा, रामकरण चतुर्वेदी, रमेश चौरसिया, निक्कू मौर्य, एडीओ पंचायत महेंद्र प्रताप सिंह, एडीओ कृषि राम बीर सिंह आदि रहे।

बलात्कारी को आजीवन कारावास व 50 हजार का अर्थ दंड

संवाददाता–श्रावस्ती। बलात्कार के आरोपी का आरोप सिद्ध होने के बाद न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा मिली है। इसके साथ ही 50 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया है।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सत्येंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि इकौना थाना क्षेत्र के एक गांव का है। 2011 में एक किशोरी को युवक भगा ले गया था। इसके बाद जबरन शादी कर ली। पीड़िता के पिता के तहरीर पर थाना इकौना में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने पीड़िता को बरामद कर लिया और न्यायालय में बयान दर्ज करवाया। पीड़िता ने बयान में बताया कि उसकी शादी घटना से तीन वर्ष पहले विजय के साथ हुई थी। वह भारत लाल के साथ चली गई थी। उसने भारत लाल से शादी कर लिया था। इस मामले का मुकदमा दर्ज हो कर विवेचना हुई। विवेचना में इकौना पुलिस ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया था। मामले का विचारण अपर जिला सत्र न्यायालय (क्राईम अगेंस्ट वूमेन) की अदालत पर हुआ। अपर जिला सत्र न्यायाधीश करुणा सिंह ने अभियुक्त संचित यादव पुत्र राम हेत को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा व ₹50 हजार के अर्थ दंड से दंडित किया है अर्थ दंड की राशि में से 40 हजार पीड़िता को देने के लिए न्यायालय ने आदेश पारित किया है। अर्थ दंड अदा न करने पर अभियुक्त को एक वर्ष का अतिरिक्त करवास की सजा भुगतान पड़ेगी।

दिव्यांगों को किया गया ट्राई साइकिल का वितरण

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी 62वीं वाहिनी भिनगा में सोमवार को दिव्यांगों के लिए ट्राई साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सात दिव्यांग व्यक्तियों को ट्राई साइकिल प्रदान किया गया। इससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। दिव्यांगों की मदद के लिए रेड क्रास सोसाइटी की ओर से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में एसएसबी कैम्प भिनगा में भी वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें एसएसबी कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी ने सात दिव्यांगों को ट्राई साइकिल का वितरण किया। उन्होंने कहा कि रेड क्रास की यह पहल सराहनीय है। दिव्यांग कहीं आने जाने के लिए दूसरों पर निर्भर होते हैं। लेकिन ट्राई साइकिल प्राप्त हो जाने से उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में सहूलियत मिलेगी।

दिखा चांद मंगलवार से शुरू होगा रमजान

संवाददाता–श्रावस्ती। गुनाहों की माफी के महीने रमजान के इस्तकबाल में मुस्लिम जुट गए हैं। माह–ए–रमजान ने दस्तक दे दिया है। सोमवार को चांद दिखने के साथ ही मंगलवार से रमजान शुरू हो जाएगा। रमजान की आहट से रोजे और इबादत का सिलसिला शुरू होने के साथ ही कुरआन की तिलावत की सदाएं तेज हो जाएंगी। पवित्र माह रमजान की आमद के मद्देनजर हाफिजे कुरआन कमर कस कर तैयार होने लगे हैं। मदरसों में कुरआन की मश्क (अभ्यास) का दौर भी परवान पर है। रहमतों व बरकतों का महीना रमजान मुबारक शुरू होने वाला है। ऐसे में मुस्लिम इलाकों में माह–ए–मुकद्दस को लेकर तैयारियां तेज हो गई है।

मौलाना मेराज अहमद बताया कि सोमवार को चांद का दीदार हो गया है। मंगलवार को पहला रोजा रखा जाएगा। चांद दिखने के साथ ही रात राज इशा की नमाज के बाद शहर और देहातों में तरावीह शुरू हो गई है। मौलाना खुर्शीद अहमद ने बताया की रमजान को लेकर मस्जिदों की साफ सफाई पूरी हो गई है। रमजान के दौरान तरावीह व सामूहिक नमाज के अवसर पर रोजेदारों की भारी भीड़ उमड़ती है। विभिन्न तैयारियों के बीच बाजार की तैयारी भी चरम पर है। तरह तरह की खजूरों से दुकानें सज गई हैं। सूखे मेवा की मांग भी तेज हो गई है। रमजान के आरंभ के साथ ही सारी तैयारी पूरी हो गई है। बड़ों के साथ ही बच्चों में भी रमजान को लेकर खासा उत्साह है। मुस्लिम बाहुल्य मुहल्लों में काफी चहल–पहल है। सेवईं, लच्छा, नान, ड्राई फ्रूट से लेकर कई तरह की दुकाने लगाने वाले भी अपनी तैयारी में जुट गए हैं।

मनरेगा श्रमिकों के भुगतान को लेकर ग्राम प्रधान कलेक्ट्रेट पहुंचे

संवाददाता–बलरामपुर। ग्राम प्रधानों की समस्याओं को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय पंचायत परिषद के बैनर तले सभी ब्लाकों के ग्राम प्रधानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। ग्राम प्रधानों ने मनरेगा मजदूरी का भुगतान कराए जाने सहित अन्य समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की है। डीएम ने ग्राम प्रधानों की समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया है। अखिल भारतीय पंचायत परिषद जिलाध्यक्ष गुलजारी लाल शुक्ल व प्रदेश सचिव विजय त्रिपाठी के नेतृत्व में सभी नौ ब्लाकों के अध्यक्ष व अन्य प्रधानों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। ग्राम प्रधान ने कहा है कि बीते 11 नवंबर से मनरेगा में कार्यरत श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। अधिनियम के अनुसार 15 दिनों के भीतर भुगतान हो जाना चाहिए। मजदूरी का भुगतान न होने से श्रमिकों में आक्रोश है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2022–23 में सामाग्री के कार्यों का भुगतान 2022–23 में नहीं किया गया। जबकि बिल बाउचर अनुपात के सापेक्ष ब्लाक के मनरेगा सेल में 31 मार्च 2023 में ग्राम पंचायतों में फीड करा दिया गया था, जो ऑनलाइन दर्ज है। वित्तीय वर्ष 2022–23 का भुगतान वर्ष 2023–24 में किया गया। विगत वर्ष में किए गए कार्य को वर्तमान वित्तीय वर्ष में जोड़ा जा रहा है जो नियमविरुद्ध है। इसके अलावा खंड विकास अधिकारी श्रीदत्तगंज की कार्यप्रणाली पर भी ग्राम प्रधानों ने आक्रोश जताया। ज्ञापन में ग्राम प्रधानों ने अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस अवसर पर जिला महामंत्री शशिकांत त्रिपाठी, अरुण कुमार सिंह, राजेश शुक्ला, शिवजीत सिंह सिंघा, कुलदीप सिंह सहित तमाम प्रधानगण मौजूद रहे।

हम शपथ लेते हैं कि निर्भीक होकर मतदान करेंगे- डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। लोक सभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए गांव गांव चौपाल लगायी जा रही है। जिसमें आम मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई जा रही है। सोमवार को जमुनहा के प्राथमिक स्कूल बरगदही में चौपाल लगा कर लोगों को मतदान के लाभ बताए और शपथ दिलाई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता चौपाल का आयोजन प्राथमिक स्कूल बरगदही में किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गांव की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं ग्राम वासियों से सीधे बातचीत की। इस दौरान सभी को मतदान करने तथा दूसरों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने लोगों को मतदाता शपथ दिलाई कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। एसपी घनश्याम चौरसिया ने कहा कि सभी मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। बिना किसी प्रलोभन के अपने विवेक से निर्णय लेकर मतदान करना चाहिए। इस अवसर पर नायब तहसीलदार शुभम तिवारी, खण्ड विकास अधिकारी जमुनहा एसपी सिंह सहित सम्बन्धित बूथ के बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, महिलाए एवं भारी संख्या में मतदाता मौजूद रहे। विकासखंड सिरसिया के प्राथमिक विद्यालय दुर्गापुर में मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह एवं विकासखंड इकौना के प्राथमिक विद्यालय नत्थापुरवा में अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चौपाल के दौरान डीएम कृतिका शर्मा ने बीएलओ पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यहां वोटर लिस्ट में एक नाम दो स्थान पर हैं। एक ही नाम होना चाहिए। जबकि जो बाहर प्रान्त में मजदूरी सपरिवार रहते हैं और वोट डालने नहीं आते है उन्हें नाम वोटर लिस्ट से काट दें। आम जनता ने डीएम को बताया कि यहां ग्राम पंचायत चुनाव में लोग बढ़ चढ़ कर भाग लेते हैं। इसी तरह से लोकसभा चुनाव में भी मतदान करें। इस मौके पर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी जगजीवन,ग्राम प्रधान जाकिर खां, फूलचंद वर्मा, सलीम खां, रज्जब खा, अज्जू खां,बेचन खां, मुस्तफा खां, सिराजुद्दीन खां,भीखू मौर्या सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा बहुओं ने भाग लिया।

बच्चों में विकसित किया जाय तर्क करने की शक्ति-कृतिका शर्मा

संवाददाता–श्रावस्ती। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से कलेक्ट्रेट में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों ने अपने अपने माडल प्रस्तुत करके उनके बारे में अतिथियों को समझाया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका जिलाधिकारी कृतिका शर्मा, जिला महामंत्री रमन सिंह अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है, सुव्यवस्थित, सुसंगठित एवं क्रमबद्ध ज्ञान ही विज्ञान है। छात्र–छात्राएं विज्ञान के प्रति अपनी अभिरुचि बढ़ाते हुए इस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी का आयोजन समय–समय पर होना चाहिए। जिससे बच्चों के अंदर का वैज्ञानिक गुण का विकास होता है। उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर रमन सिंह ने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा बच्चों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास भी हो सकेगा। इसलिए सभी छात्र–छात्राएं अपनी अभिरुचि के अनुसार नये–नये प्रयोग कर विज्ञान के नये आयाम प्राप्त करें और आगे बढ़ें।

प्रदर्शनी में निर्णायक मंडल में शामिल समिति द्वारा सभी बच्चों के मॉडल का आकलन किया। प्रदर्शनी के सफल आयोजन में जनपद के समस्त विज्ञान व गणित विषय के एआरपी एवं शिक्षकों ने सक्रिय सहयोग किया। इसके साथ ही कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने देशभक्ति गीत में बेहतर प्रदर्शन किया गया जिसकी सराहना उपस्थिति प्रतिनिधियों ने की। कार्यक्रम का संचालन अजीत उपाध्याय ने किया।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी सुनीता वर्मा,फूलचन्द्र मौर्या, प्रिया पाठक, राजीव कुमार ओझा, नीलम कुमारी, प्रणव त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र तिवारी, प्रशान्त बाजपेई सहित अध्यापक व अध्यापिकाएं तथा छात्र मौजूद रहे।

बगैर नेफ्रोलाजिस्ट के हो रहा किडनी के मरीजों का इलाज

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में किडनी मरीजों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। जिले के किडनी मरीजों के इलाज के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट का संचालन किया जा रहा है। बगैर नेफ्रोलॉजिस्ट की तैनाती के यहां किडनी मरीजों की डायलिसिस हो रही है। स्थिति यह है कि कोलकाता के एक डाक्टर गंभीर किडनी मरीजों को ऑनलाइन परामर्श देते हैं, जिसके बाद उनका इलाज किया जाता है। गंभीर मरीजों को लखनऊ या आसपास के जिलों में भेजा जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि सोमवार को नेफ्रोलॉजिस्ट की तैनाती के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। डीएम ने गुर्दा रोग चिकित्सक के शीघ्र ही तैनाती का विश्वास दिलाया।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में किडनी के मरीजों के लिए डायलिसिस यूनिट की स्थापना कई वर्ष पहले की गई थी। यूनिट की स्थापना तो जरूर कर दी गई लेकिन विशेषज्ञ एवं अन्य स्टॉफ की तैनाती नहीं की गई। आज भी अस्पताल के डायलिसिस यूनिट में बगैर नेफ्रोलॉजिस्ट के ही मरीजों का इलाज किया जा रहा है। किडनी ट्रांसप्लांट के मरीजों को पीजीआई लखनऊ, गोरखपुर व दिल्ली तक का चक्कर लगाना पड़ता है। विशेषज्ञों की मानें तो शरीर में खून की सफाई करने वाले अंग ठीक से काम न करने पर मरीज के रक्त में गंदगी फैल जाती है। इसकी सफाई कराने के लिए उसे डायलिसिस कराना पड़ता है। संयुक्त जिला अस्पताल के डायलिसिस यूनिट में मौजूदा समय में छह मशीनें लगी हुई हैं। प्रतिदिन करीब 15 मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। यूनिट के नोडल रेडियोलॉजिस्ट डा. एके यादव मरीजों की परेशानी को देखकर उनका अल्ट्रासाउंड करते हैं। आवश्यकता पड़ने पर उनका सीटी स्कैन भी कराया जाता है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कोलकाता से ऑनलाइन परामर्श के बाद डायलिसिस की स्वीकृति की जाती है। नोडल डा. एके यादव का कहना है कि जो भी स्टाफ व संसाधन हैं उसके जरिए किडनी मरीजों को बेहतर सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है। डायलिसिस यूनिट में इस समय 56 मरीज अपना इलाज करा रहे हैं। मरीजों को बीडियो कॉलिंग के माध्यम से ऑनलाइन परामर्श दिया जा रहा है। कोलकाता के नेफ्रोलॉजिस्ट डा. असित कुमार मरीजों को ऑनलाइन परामर्श देते हैं। जुलाई 2023 में एक शिविर का आयोजन किया गया था। अस्पताल प्रशासन की मानें तो करीब 50 गुर्दा के मरीजों ने यहां पर अपनी जांच करायी थी। करीब दस मरीज आज भी निःशुल्क डायलिसिस सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। संयुक्त जिला चिकित्सालय के रिकार्ड के अनुसार पिछले एक साल में किडनी के 900 मरीज यहां पर इलाज कराने आ चुके हैं। डायलिसिस यूनिट के प्रभारी डा. नितेश कुमार ने बताया कि गुर्दा के मरीजों से ऑनलाइन विशेषज्ञ बात कर परामर्श देते हैं। उनका भी कहना है कि पिछले एक वर्ष में 900 से अधिक किडनी के मरीज जिले में मिल चुके हैं। जो गंभीर मरीज होते हैं उन्हें लखनऊ व अन्य जिलों में रेफर किया जाता है। हर माह शिविर का आयोजन करने की भी योजना बनाई गई है। किडनी ट्रांसप्लांट के मरीजों को पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया जाता है।

विशेषज्ञों की मानें तो गुर्दे की बीमारी का एक सामान्य लक्षण शुरुआत में थकावट का होना होता है। जैसे–जैसे गुर्दे की खराबी बढ़ती जाती है यह लक्षण स्पष्ट होता जाता है। सामान्य दिनों की तुलना में वह व्यक्ति अधिक थका हुआ महसूस करता है। ज्यादा गतिविधियों को करने में वह असमर्थ होता है। ऐसा काफी हद तक रक्त में विषाक्त पदार्थों और अशुद्धियों के संचयन के कारण होता है, जिसके परिणामस्वरूप गुर्दे खराब हो जाते हैं। इसके अलावा भूख में कमी, सुबह उल्टी आना, एनीमिया, पेशाब की आवृत्ति में परिवर्तन, मूत्र से झाग या रक्त का आना, सूखी त्वचा में खुजली होना, पीठ या पेट के निचले हिस्से में दर्द होने के साथ–साथ किडनी के बीमारी का प्रमुख लक्षण है।

अरविंद सिंह, जिलाधिकारी बलरामपुर ने कहा कि नेफ्रोलॉजिस्ट की तैनाती के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। डायलिसिस की यूनिट यहां के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस यूनिट का संचालन सही ढंग से हो सके, इसके लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन के साथ–साथ यूनिट की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। सोमवार को शासन को अनुस्मारक पत्र भेजा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही नेफ्रोलॉजिस्ट की तैनाती करा ली जाएगी।

85 वर्ष से ऊपर वाले मतदाताओं को मिलेगी पोस्टल बैलेट की सुविधा

संवाददाता–बलरामपुर। 85 वर्ष की आयु से ऊपर वाले मतदाताओं को मतदान करने के लिए पोस्टल बैलेट की सुविधा प्राप्त कराई गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 85 वर्ष की आयु से ऊपर के मतदाताओं को अधिसूचना जारी होने के पांच दिवसों के अन्दर ऐसे मतदाताओं को उनके निवास स्थान पर मतदान करने के लिए पोस्टल बैलेट की सुविधा दी गई है। कहा कि फार्म–12डी में आवेदन कर अपने निवास स्थान पर मताधिकार की सुविधा प्राप्त की जा सकती है।

सुआंव नदी के सुंदरीकरण कराने को लेकर की गई चर्चा

संवाददाता–बलरामपुर। डीएम अरविंद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें बाढ़ आपदा प्रबंधन व 120 किमी लम्बी सुआंव नदी के सुंदरीकरण के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार किए जाने पर चर्चा की गई। डीएम ने सुआंव नदी के साथ बड़े तालाबों को जोड़े जाने की कार्ययोजना बनाने एवं एक सप्ताह के भीतर सुआंव नदी की सिल्ट सफाई कराने का निर्देश सिंचाई विभाग को दिया। बैठक में डीएम ने कहा कि गंदे नालों का पानी सुआंव नदी में न मिले। इसके लिए नगर पालिका प्रशासन फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए भूमि चिन्हित करें। उन्होंने ईओ नगर पालिका, एसडीएम व तहसीलदार को प्राथमिकता के साथ एफएसटीपी भूमि का चिन्हांकन करने की जिम्मेदारी दी। डीएम ने कहा कि नगर पालिका सर्वे करते हुए सुआंव नदी के तट पर पार्क व रमणीय स्थल विकसित किए जाने, फसाड लाइटिंग लगाए जाने की कार्ययोजना बनाई। वन विभाग की ओर से नदी के तट पर वृहद पैमाने पर पौधरोपण कराने की तैयारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने सुआंव नदी की मेनस्ट्रीम धारा में डिसिल्टिंग के लिए सिंचाई विभाग को एक सप्ताह के भीतर कार्ययोजना बनाने की बात कही। नदी में पूरे वर्ष जलधारा बहती रहे, इसके लिए डीएम ने सुआंव नदी को बड़े तालाबों से जोड़े जाने की कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। बारिश के दौरान सुआंव नदी के माध्यम से तालाबों में पानी जाएगा एवं रेगुलेटर के माध्यम से गर्मी के दौरान इन तालाबों से पुनरू नदी में जल प्रभावित होता रहेगा। इससे भूमिगत जल ऊपर आएगा। सुआंव नदी के निर्धारित फ्लड प्लेन जोन में स्थित नदी के दोनों तरफ नगरीय क्षेत्र में नदी किनारे से 50–50 मीटर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 100–100 मीटर किसानों के नाम दर्ज भूमि के सभी गाटों का परीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराए जाने के निर्देश डीएम ने दिए। पुल एवं पुलिया निर्माण के लिए सर्वे कर ऑगणन के साथ कार्ययोजना उपलब्ध कराए जाने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिया। इस अवसर पर एडीएम न्यायिक प्रमोद कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

मांगों के समर्थन में शिक्षकों ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–श्रावस्ती। अपनी विभिन्न मांग को लेकर शिक्षक लम्बे समय से संघर्षरत हैं। शिक्षकों का डिजिटलाइजेशन के विरुद्ध आंदोलन जारी है। इसी क्रम में शिक्षकों ने बीएसए को ज्ञापन देकर मांगों को पूरा करने की मांग की। डिजिटलाइजेशन के विरोध में शिक्षकों ने सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले बीएसए कार्यालय पहुंच कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा बीएसए अमिता सिंह को दिया। इस दौरान शिक्षकों ने राज्य कर्मचारियों की तरह चिकित्सा व अन्य सुविधाएं दिलाने, पीएल व सीएल, पुरानी पेंशन बहाल की जाने, अर्ध अवकाश की सुविधा दिए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की मांग की। शिक्षकों ने कहा कि विभाग डिजिटलाइजेशन का आदेश जबरन शिक्षकों पर थोप रहा है। कहा कि इस प्रकार के नियम व नियमावली के विरुद्ध जाकर विभाग शिक्षकों को प्रताड़ित व अपमानित करने के आदेश कर रहा है। केवल टैबलेट काफी नहीं है शिक्षकों को विभागीय सिम, मोबाइल डेटा आदि भी उपलब्ध कराया जाय।

पंचायत सहायकों और सचिवों को दिया गया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना और गिलौला ब्लाक के पंचायत सचिव और सहायकों को विभिन्न आपदाओं से बचाव व बचाव उपरान्त सहायता व अन्य कार्यवाही के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। पंचायत सहायकों व सचिवों को सीपीआर, अग्निकांड से बचाव,सड़क दुर्घटना से बचाव और भूकंप के समय बचाव का तरीका बताया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एपी सिंह ने प्राथमिक चिकित्सा व सीपीआर, जिला अग्निशमन अधिकारी संजय जायसवाल ने अग्निकांड, यातायात निरीक्षक दिलीप यादव ने सड़क दुर्घटना, आपदा मित्र विवेक श्रीवास्तव ने भूकंप तथा पेशकार यादव ने भगदड़ के दौरान बरती जाने वाली सावधानी के संबंध में जानकारी दी। इसके साथ ही सभी प्रशिक्षणार्थियों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने मतदान करने व समुदाय को मतदान के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि सभी स्कूलों और ग्राम पंचायतों में आपदा से बचाव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

जिसके क्रम में इकौना व गिलौला ब्लाक के ग्राम पंचायत सचिव व सहायकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद प्रत्येक ग्राम में प्रधान, लेखपाल शिक्षक, सचिव, व पंचायत सहायकों को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा जायेगा। जिससे किसी भी आपदा की पूर्व सूचना ग्राम स्तर तक पहुंचायी जायेगी व किसी ग्राम में कोई आपदा घटित होने पर तत्काल जनपद स्तर को सूचित किया जा सकेगा। इससे आपदाओं से होने वाले खतरों को कम किया जा सकेगा। इसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को हरिहरपुर रानी व सिरसिया के पंचायत सहायक व सचिवों को आपदाओं के प्रति जागरूकता प्रशिक्षण दिया जायेगा।

सांसद ने किया स्मार्ट क्लास का उद्घाटन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बने स्मार्ट क्लास का उद्घघाटन सांसद हरीश द्विवेदी एवं मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद हरीश द्विवेदी ने कौशल विकास के युवाओं को स्मार्टफोन एवं रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत के मा. प्रधानमंत्री के द्वारा युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास मिशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना, रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं खेलो इण्डिया नीति के तहत करोड़ो युवाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

संयुक्त निदेशक प्रशि0/शिशिक्षु पुरूषोत्तम मिश्र ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। अतिथियों का स्वागत नोडल/प्रधानाचार्य गोविन्द कुमार एवं महेन्द्र कुमार वर्मा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बस्ती ने किया। कार्यक्रम को वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश शुक्ला ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक दयाशंकर मौर्य, मस्तराम वर्मा, रामबाबू श्रीवास्तव, रामअवध यादव, अर्जुन उपाध्याय उपस्थित रहे।

दुष्कर्मी को सात साल की कैद

संवाददाता—गोरखपुर। नाबालिग बच्ची को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट राहुल आनन्द ने सहजनवा थाना क्षेत्र के टड़वा कला निवासी अभियुक्त सनोज को सात साल के कठोर कारावास एवं 40 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त को एक साल का कारावास अलग से भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राघवेंद्र त्रिपाठी एवं अरविंद कुमार श्रीवास्तव का कहना था कि घटना 8 दिसम्बर 2013 की शाम की है। अभियुक्त, वादी की नाबालिग बच्ची को शादी का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने छापेमारी कर ढाई किलो गांजा बरामद

संवाददाता—गोरखपुर। थाना क्षेत्र के बलुआ पुलिस चौकी अंतर्गत बलुआ गांव में खुलेआम गांजा,अफीम बेचने को लेकर सोशल मीडिया पर खबर वायरल हो रही थी। उसका संज्ञान लेकर कैम्पियरगंज पुलिस एक्शन में आ गयी और रविवार की रात गांव में छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को आते देख लोग घर और दुकान छोड़ भागने लगे। लेकिन पुलिस ने पीछा कर एक महिला और पुरुष को गिरफ्तार कर लिया। रामेश्वर पुत्र स्व.रामदेव और सरोज देवी पत्नी लक्ष्मण के पास से ढाई किलो गांजा बरामद किया। इस सम्बन्ध थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि मुखबिर कि सूचना पर दो लोगों को ढाई किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है। एनडीपीसी एक्ट के तहत मुकदमा लिखकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डीएम ने किया तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सबका साथ—सबका विकास—सबका विश्वास—सबका प्रयास विषयक सदर तहसील परिसर में स्थापित तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी, सांसद प्रतिनिधि जगदीश शुक्ला तथा जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र नाथ तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसमें केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों, निर्णयों, उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार हेतु सबका साथ—सबका विकास—सबका विश्वास—सबका प्रयास विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन कर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से अब तक जो व्यक्ति प्रदेश सरकार की संचालित योजनाओं से वंचित रह गए है, वे योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर लाभ प्राप्त करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर शत्रुहन पाठक, प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय, सरदार जगबीर सिंह, आम जनमानस सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने किया। उन्होने कहा कि पिछले 10 वर्षो में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का इसमें प्रदर्शन किया गया है, जो जनमानस के लिए लाभप्रद है। इस अवसर पर उनके साथ राजेशपाल चौधरी, अमृत कुमार वर्मा, आदित्य श्रीवास्तव, जयप्रकाश पाण्डेय, हनुमान प्रसाद मिश्र, पिंकू उपाध्याय ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सराहना किया।

चित्र प्रदर्शनी में केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजना—यथा—25 लाख करोड़ ई—गन्ना भुगतान, 55.50 लाख आवासों का निर्माण, 96 लाख एम.एस.एम. इकाईया, कारीडोर विस्तार 6 नोड्स (अलीगढ, आगरा, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट एवं झासी) का निर्माण, मैट्रो रेल का संचालन—नोएडा ग्रेटर नोएडा गाजियाबाद, लखनऊ कानपुर आगरा में मैट्रो का संचालन, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), हर गरीब का मुफ्त इलाज—9 करोड़ से अधिक—5 लाख तक मुफ्त इलाज, निवेश पोर्टल 37 विभागों—457 आनलाइन सेवाए, किसानों को प्रतिवर्ष 6000 सहायता— प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना—15 करोड से अधिक मुफ्त राशन, डिजिटल उत्तर प्रदेश, मोटो जीपी रेस का सफल आयोजन, यूपी इंटर नेशनल ट्रेडओ का शानदार आयोजन, अयोध्याधाम—31000 करोड़ की विकास परियोजना का क्रियान्वयन, 58.000 बीसी सखी का चयन एवं ग्लोबल समिट—40 लाख करोड़ के निवेश प्रदर्शित है।

राजस्थान के सीएम बोले- जल्द ही विश्व की सबसे बड़ी सांस्कृतिक नगरी बनेगी अयोध्या

संवाददाता—अयोध्या। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा कैबिनेट के साथ सोमवार को अयोध्या पहुंचे। उनके साथ 133 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल आया है। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी अयोध्या पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री व लोकसभा अध्यक्ष ने दशरथ कुंड पर 100 करोड़ की लागत से बनने वाले माहेश्वरी समाज की धर्मशाला की नींव रखी। सीएम ने कहा कि मैं पहले भी यहां कई बार आया। पहले रामलला के दर्शन टेंट में किए थे, लेकिन इस बार हमें रामलला के दर्शन भव्य दरबार में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 500 साल से रामलला टेंट में विराजमान थे। 22 जनवरी को भव्य मंदिर में विराजमान हुए। आने वाले समय में आप देखेंगे कि देश—दुनिया से आने वालों की कतार लगेगी। ये दुनिया की सबसे बड़ी सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने वाली धरती होगी। मैं पहले भी यहां कई बार आया। पहले रामलला के दर्शन टेंट मे किए थे लेकिन इस बार हमें रामलला के दर्शन भव्य दरबार में प्राप्त होंगे। माहेश्वरी समाज लोगों के उत्थान का काम करता है। ये धर्मशाला श्रद्धालुओं की सेवा के लिए बहुत उपयोगी होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला है। अयोध्या ऊर्जा देने वाली, प्रेरणा देने वाली नगरी है। आज पूरे विश्व में भारत की सांस्कृतिक चेतना का जागरण हुआ। यह कालखंड हमारे लिए सौभाग्यशाली है। सदियों तक जिसका इंतजार करते रहे वह मंदिर आज बनकर तैयार है। भगवान राम का जीवन एक आदर्श जीवन है। इस कालखंड में नए भारत का उदय दुनिया देखेगी। एक आदर्श राज्य चलाने के लिए भगवान राम से शक्ति मांगने अयोध्या आए हैं।

राममंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा कि भारत केवल आध्यात्मिक देश नहीं है, इस भूमि के कण—कण में दिव्य तत्व भरा हुआ है। शताब्दियों तक भारत ने आक्रमण झेला, झेलकर पुनरू उठ खड़ा हुआ। राममंदिर बना पाएं हैं तो इसके पीछे संतों की तपस्या है। रामभक्तों का बलिदान है। आज पूरा राजस्थान अयोध्या की श्रीराम की पूजा करने आया है। अयोध्या जल्द ही संपूर्ण देश की सांस्कृतिक राजधानी बनने जा रही है। भूमि पूजन कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, प्रभारी मंत्री अयोध्या सूर्य प्रताप शाही, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जगद्गुरु श्रीधराचार्य, अधिकारी राजकुमार दास, राधाकृष्ण धम्मानी सहित राजस्थान सरकार के मंत्री, विधायक व माहेश्वरी समाज के लोग मौजूद रहे।

मूल्यांकन केंद्र के अंदर मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे परीक्षक

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन 16 मार्च से जिले के पांच केंद्रों पर शुरू होगा। मूल्यांकन में किसी तरह की गड़बड़ी ना हो इसके लिए सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में मूल्यांकन कराया जाएगा। इसके साथ ही परीक्षकों को मोबाइल फोन अंदर ले जाने पर मनाही है। मुख्य द्वार पर ही एक बॉक्स में सभी को मोबाइल फोन जमा करना होगा।

बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद अब शिक्षा विभाग कापियों के मूल्यांकन की तैयारी में जुटा हुआ है। इस बार जिले में पांच से केंद्र बनाए गए हैं। बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर, सरदार पटेल स्मारक इंटर कॉलेज लारपुर और जनता इंटर कॉलेज फतेहपुर बड़ागांव में इंटरमीडिएट की कॉपियां और डॉक्टर गणेश कृष्णा जेटली इंटर कॉलेज अकबरपुर तथा संत कबीर स्मारक इंटर कॉलेज सैदापुर में हाईस्कूल की कापियों का मूल्यांकन होगा। कापियों के मूल्यांकन के लिए परीक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने परीक्षकों के परिचय पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर भेज दिए हैं। इस बार बोर्ड ने पिछली बार की अपेक्षा कम परीक्षकों के परिचय पत्र जारी किए हैं। हालांकि विभाग का कहना है कि के केमुह नौ से बाद में योग्यता के अनुसार अवश्यकता के अनुसार परीक्षक बनाए जा सकेंगे। बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन इस बार भी सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कराया जाएगा। जिसकी कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी की जाएगी। कोई भी शिक्षक मूल्यांकन केंद्र के अंदर मोबाइल लेकर प्रवेश नहीं कर पाएगा। सभी के मोबाइल प्रवेश द्वार पर ही जमा कराए जाएंगे। इसके अलावा बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया है कि परीक्षा और उप प्रधान परीक्षक के अलावा कोई भी बाहरी व्यक्ति मूल्यांकन केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं करेगा। वहीं दूसरी तरफ बोर्ड परीक्षा के बाद कापियों को मूल्यांकन के लिए अलग—अलग जिलों में भेजने के लिए तैयारी की जा रही है। 16 मार्च 31 मार्च तक कॉपियों का मूल्यांकन किया जाना है। होली की छुट्टी के दौरान तीन दिनों तक मूल्यांकन कार्य स्थगित रहेगा। गिरीश कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि 'बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद अब मूल्यांकन की तैयारी चल रही है। बोर्ड से परीक्षकों के परिचय पत्र प्राप्त हो गए हैं, जिसे विद्यालयों को भेजा जा रहा है। मूल्यांकन के दौरान माध्यमिक शिक्षा परिषद से जो भी निर्देश प्राप्त हुए हैं उसका शत प्रतिशत पालन कराया जाएगा।

एफएलएन प्रशिक्षण का हुआ समापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

पौली (संतकबीर नगर)। पौली विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) प्रशिक्षण का द्वितीय बैच के चौथे दिवस के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ खण्ड शिक्षाधिकारी जर्नादन यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण लेने के पश्चात अपने अपने विद्यालय पर जा कर बच्चों के बीच प्रस्तुत करे। जिससे बच्चों को सीखने मे सुलभता मिल सके। गतिविधि का उपयोग अवश्य करे। जिससे बुनियादी भाषा व गणित में दक्षताओं को हासिल करने में आसानी होगी। प्राथमिक स्तर के सभी शिक्षक व शिक्षामित्रों को प्रशिक्षित दिया जा चुका है। बच्चों के बीच जा कर प्रस्तुत करने का कार्य करे। टीएलएम का उपयोग अवश्य करे। किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते।

संदर्भदाता एआरपी राजेंद्र यादव, हरीराम यादव, अजय कुमार, राजेश गुप्ता व दिलीप कुमार ने प्रतिभागियों को आधार शिला क्रियान्वयन संदर्शिका आधारित भाषा—गणित सहित सभी अन्य माड्यूलो के बारे में विस्तार से चर्चा कर टीएलएम का निर्माण व उपयोग के बारे में बताया।

प्रशिक्षण में विपिन कुमार, दीपक यादव, नित्यानंद तिवारी, अनिल कुमार, देवेंद्र, मो उमर, शशिभूषण, मनोज कुमार, पराग सिंह, राघवेंद्र, राजन सिंह, नितेश सिंह, विजय कुमार, मुमताज, राममोहन शुक्ला, मुजीबुल्लाह, इफ्तेखार अहमद,एकता गोस्वामी, रुपाली बर्मा, चंद्रावती, प्रतिमा पाल, माया सिंह, नीलम, अनीता, वीवो खातून, रेखा गुप्ता सहित तमाम शिक्षक व शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

डीएम ने सुनी महिलाओं के सफलता की गाथा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें स्वारोजगार से जोड़ने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह जलालपुर ब्लाक के भस्मा गांव पहुंचे। वहां ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ कर सरसों तेल की घानी स्थापित कर स्वरोजगार कर रही रीना देवी के उद्योग पर पहुंच कर उद्योग धंधे के बारे में जानकारी की।

जिलाधिकारी ने रीना से सरसों तेल निकालने के तरीका देखा और रुपया देकर एक लीटर सरसों का तेल खरीदा। रीता ने बताया कि पढ़ाई पूरी करने के बाद उसे नौकरी नहीं मिली। विवाह के बाद उसकी जिम्मेदारी बढ़ गई। आर्थिक स्थित खराब होने पर जयभीम अजीविका स्वयं सहायता समूह का गठन किया। महिला सदस्यों उसे अध्यक्ष बना दिया। समूह से 50 हजार रुपए का लोन लिया और कुछ रुपया उधार लेकर पुराना डीजल इंजन व स्पेलर मशीन खरादा गया। किसानों से सरसों की खरीदारी कर शुद्ध सरसों का तेल निकालने का कार्य शुरू किया। वर्तमान समय में पति पत्नी मिला कर 15 हजार रुपए की बचत हो जाती है। जिलाधिकारी ने यहां मौजूद अधिकारियों से उत्कर्ष शुद्ध सरसों घानी का तेल ब्रांड के लिए आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने समूह की अन्य महिलाओं से भी चर्चा किया और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रही है। पशु पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन कर महिलाएं आज लाखों रुपए कमा रही हैं। उन्होंने कहा कि ड्रेगन फ्रूट, यलोवेरा की खेती लाभप्रद होती है। उन्होंने समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राकेश यादव, तहसीलदार, बीडीओ, ब्लाक मिशन प्रबंधक व अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान के बारे में दी गई जानकारी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ पीजी कॉलेज बर्डपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ सोमवार को ग्रामसभा बर्डपुर नंबर नौ में हुआ। उद्घाटन प्राचार्य डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर रन फार यूनिटी का आयोजन हुआ। महाविद्यालय के डीएलएड विभाग के डॉ. सतेंद्र बहादुर पाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के बारे में बताया और स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत पर जोर दिया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पंकज कुमार चतुर्वेदी ने एनएसएस की महत्ता के बारे में बताया। इस अवसर पर हौसला पटेल, सुदेश पांडेय, नसरुदीन, हेमलता चतुर्वेदी, पूर्णिमा पांडेय आदि मौजूद रहीं।

तेज रफ्तार कार ने छह लोगों को कुचला, तीन की मौत, 3 घायल

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखनाथ और रामगढ़ताल इलाके में रविवार रात हिट एंड रन के मामले में तीन लोगों की मौत हो गई। गोरखनाथ इलाके में रामनगर चौराहे पर तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को कुचल दिया, जिसमें दो की मौत हो गई। उधर, रामगढ़ताल इलाके के नौकायन चंपा देवी पार्क के पास अनियंत्रित कार, स्कूटी और बाइक में टक्कर मारते हुए पलट गई। जानकारी के मुताबिक, गोरखनाथ थाना क्षेत्र के रामनगर चौराहे के पास रविवार की रात तेज रफ्तार कार चालक ने तीन व्यक्तियों को कुचल दिया, जिसमे से दो की मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी है। मृतकों की पहचान गोरखनाथ के जाहिदाबाद निवासी मोईन (42) और अकील अहमद (38) के रूप में हुई है। जबकि, ताहिर की हालत गंभीर है। जाहिदाबाद निवासी तीनों एक साथ ही रविवार की रात खाना खाने के बाद चौराहे पर पैदल ही टहल रहे थे। सूनसान रोड पर पीछे से तेज रफ्तार में आई एक कार ने तीनों को जोरदार टक्कर पर दिया। टक्कर इतना तेज था कि तीनों हवा में फुटबॉल की तरह उड़कर जमीन पर गिरे और दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा घायल हो गया। सूचना पर आई पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा।

पुलिस सीसीटीवी देखने के साथ ही नंबर के आधार पर शहर में नाकाबंदी करके चेकिंग शुरू कर दी, लेकिन देर रात तक चालक पकड़ में नहीं आया। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि कार चालक की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। नौकायन चंपा देवी पार्क के पास रविवार की रात में अनियंत्रित कार ने स्कूटी और बाइक में टक्कर मारते हुए पलट गई। हादसे में बाइक, स्कूटी सवार तीन लोग घायल हो गए। तीनों को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया जिसमें रानीबाग निवासी सुंदर उर्फ प्रियांशु राय (19) की मौत हो गई, जबकि घायलों को परिजन निजी अस्पताल ले गए। हादसे के बाद कार से निकला चालक फरार हो गया। वहीं, कार को कब्जे में लेकर पुलिस जांच कर रही है। कार पर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा था। हादसे में रामगढ़ताल इलाके के भगत चौक निवासी आदर्श राय और जंगल चौरी निवासी समरजीत पासवान घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, आदर्श राय बाइक से और अन्य दो लोग एक ही स्कूटी से नौकाविहार घूमने गए थे। तभी विपरीत दिशा से एक कार आई और पहले स्कूटी और फिर बाइक में टक्कर मारते हुए पलट गई। आसपास के लोग एकत्र हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा जिसमें से एक युवक की मौत हो गई। घायलों के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई है। सीओ कैंट अंशिका वर्मा ने बताया कि हादसे में घायलों को अस्पताल भेजा गया है। कार को कब्जे में लेकर पुलिस जांच कर रही है।

कार सेवकों को सम्मानित किया

संवाददाता—गोरखपुर। बेलघाट स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह एवं शिव विवाह, राम दरबार की झांकी का नाट्य मंचन कार्यक्रम मे बेलघाट क्षेत्र के 17 कारसेवकों को खजनी विधायक श्रीराम चौहान, प्रमुख पूजा सिंह कौशिक और सामाजिक कार्यकर्ता रणवीर शाही चंचल द्वारा सम्मानित किया गया। ये सभी कारसेवक 1992 में राम मंदिर निर्माण के लिए इस क्षेत्र से कार सेवा करने के लिए अयोध्या गए थे। आयोजन बेलघाट निवासी सामाजिक कार्यकर्ता रणवीर शाही चंचल द्वारा आयोजित किया गया था।

असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयनित हुए डॉ उग्रसेन वर्मा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जिले के अकबरपुर तहसील क्षेत्र के लारपुर निवासी डॉ उग्रसेन वर्मा का चयन शिया पीजी कॉलेज लखनऊ के विधि संकाय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ है। इनके पिता डॉ राम उजागिर वर्मा सरदार पटेल स्मारक इंटर कॉलेज लारपुर के प्रधानाचार्य रहे। इनके सबसे बड़े भाई इंद्रसेन वर्मा जीआईसी में लेक्चरर हैं, दूसरे भाई भारतीय मानक ब्यूरो में वैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक हैं तथा तीसरे भाई चिकित्सा अधिकारी हैं। कनिष्ठ पुत्र कृष्णसेन वर्मा अपने माता— पिता की सेवा के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अध्ययनरत हैं। उग्रसेन वर्मा को लखनऊ विवि से चक्रवर्ती गोल्ड मेडल भी मिल चुका है।

दवा लेने गई महिला की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता—गोरखपुर। बड़हलगंज बस स्टेशन पर एक महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। बांसगांव के धूसना गांव की रहने वाली रामसती (65) का उपचार चल रहा था। सोमवार को वह बड़हलगंज में आंबेडकर चौराहा के पास बस स्टैंड के सामने निजी हॉस्पिटल से दवा लेने जा रही थीं।

वह बस से उतरीं, तभी पैरों के लड़खड़ाने से गिर पड़ीं। आसपास के लोग कोई उपाय करते। इसके पहले महिला की मौत हो गई। उनके साथ आई बहू ने परिवार के सदस्यों को सूचना दी। परिवार के लोग शव लेकर गांव चले गए।

अदालती नोटिस

संख्याक 6

मृतक प्रतिवादी के विधिक प्रतिनिधि को समन (आदेश 22 का नियम 4)

वाद सं0 530/85

न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बांसी सिद्धार्थनगर

रामलखन

बनाम

अब्दुल समद आदि

2/1 जैबुननिशा वालिग पत्नी स्वर्गीय वकील 2/2 शकील 2/3 मो0 मोहसिन 2/4 मुनीर अहमद पुत्रगण वकील साकिनान मुड़िला कला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 14—03—2024

वादी/वादीगण रामलखन ने इस न्यायालय में दिनांक 24.8.85 को अब्दुल समद प्रतिवादी के विरूद्ध वाद संस्थित किया था। प्रतिवादी की अब मृत्यु हो चुकी है और उक्त वादी ने यह अभिकथन करते हुये इस न्यायालय में आवेदन किया है कि आप उक्त मृतक के विधिक प्रतिनिधि हैं और यह इच्छा प्रकट की है कि आपको उसके बदले में प्रतिवादी बनाया जाए।

आपको सम्मन किया जाता है कि आप उक्त वाद में प्रतिरक्षा करने के लिये दिनांक **14—03—2024** को 10:00 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में हाजिर हों और यदि आप ऊपर बतायी गयी तारीख को उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

न्यायाधीश

सागर लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले सागर पाठक को राष्ट्रीय नेतृत्व ने लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर पूर्व विस अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय, विधायक सैयदा खातून, जिलाध्यक्ष लालजी यादव, पूर्व विधायक अनिल सिंह, पूर्व विधायक विजय पासवान, कलाम सिद्दीकी आदि ने बधाई दी है।

सुभासपा नेत्री की हत्या में पार कर दीं क्रूरता की हदें, पांच पर मुकदमा, कोतवाल-चौकी इंचार्ज नपे

संवाददाता—संतकबीरनगर। सुभासपा महिला मंच की प्रदेश महासचिव नंदिनी राजभर हत्याकांड को लेकर दूसरे दिन सोमवार को भी खलीलाबाद का माहौल गर्म रहा। मामले में पति की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों पर हत्या का केस दर्ज कर तीन को गिरफ्तार किया है। वहीं एक आरोपी पहले से ही जेल में बंद है। वहीं दूसरी ओर नंदिनी समर्थक शव रोककर आरोपितों को गांव में घुमाने की मांग कर रहे थे। काफी मान—मनौवल हुई तब दोपहर बाद कड़ी सुरक्षा के बीच शव को आमी किनारे दफनाया गया। उधर, वहीं सपा महासचिव की अगुवाई में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को गांव जाने से पुलिस ने रोक दिया और हिरासत में लेकर डाक बंगले में पहुंचा दी। खलीलाबाद कोतवाली के डीघा गांव की नंदिनी राजभर की भूमि विवाद में रविवार शाम को घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए आईजी ने कोतवाल बृजेन्द्र पटेल को अपने कार्यालय से संबद्ध कर दिया है जबकि औद्योगिकनगर पुलिस चौकी इंचार्ज को भी लाइन हाजिर कर दिया गया है। प्रकरण की जांच के लिए बस्ती एएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन करने के निर्देश दिए हैं। एसपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि नंदिनी के पति अच्छेलाल की तहरीर पर पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। इन आरोपितों में श्रवण यादव, ध्रुव यादव, पन्नेलाल यादव, निर्मता व आनंद यादव शामिल हैं। इनमें श्रवण यादव पहले से जेल में है। ध्रुव यादव, पन्नेलाल यादव व महिला निर्मता को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं आनंद यादव की गिरफ्तारी के लिए एसओजी व पुलिस की स्पेशल टीम को लगाया गया है। पुलिस—प्रशासन ने रविवार देर रात में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को सौंप दिया लेकिन अंतिम संस्कार को लेकर परिवारीजन अड़े रहे। हत्यारों ने दरिंदगी की हद पार कर दी थी। हत्यारों ने एक आंख निकाल ली थी। पेट से लेकर प्राइवेट पार्ट तक धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए गए थे। गांव जाने की जिद पर अड़े सपा प्रतिनिधिमंडल की डीघा चौराहे पर पुलिस से नोकझोंक हुई। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे सपा महासचिव रामअचल राजभर को पुलिस ने हिरासत में लेकर डाक बंगले पहुंचा दिया। अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे प्रशासन ने एक गाड़ी से सपा नेताओं के डीघा गांव जाने की अनुमति दी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com